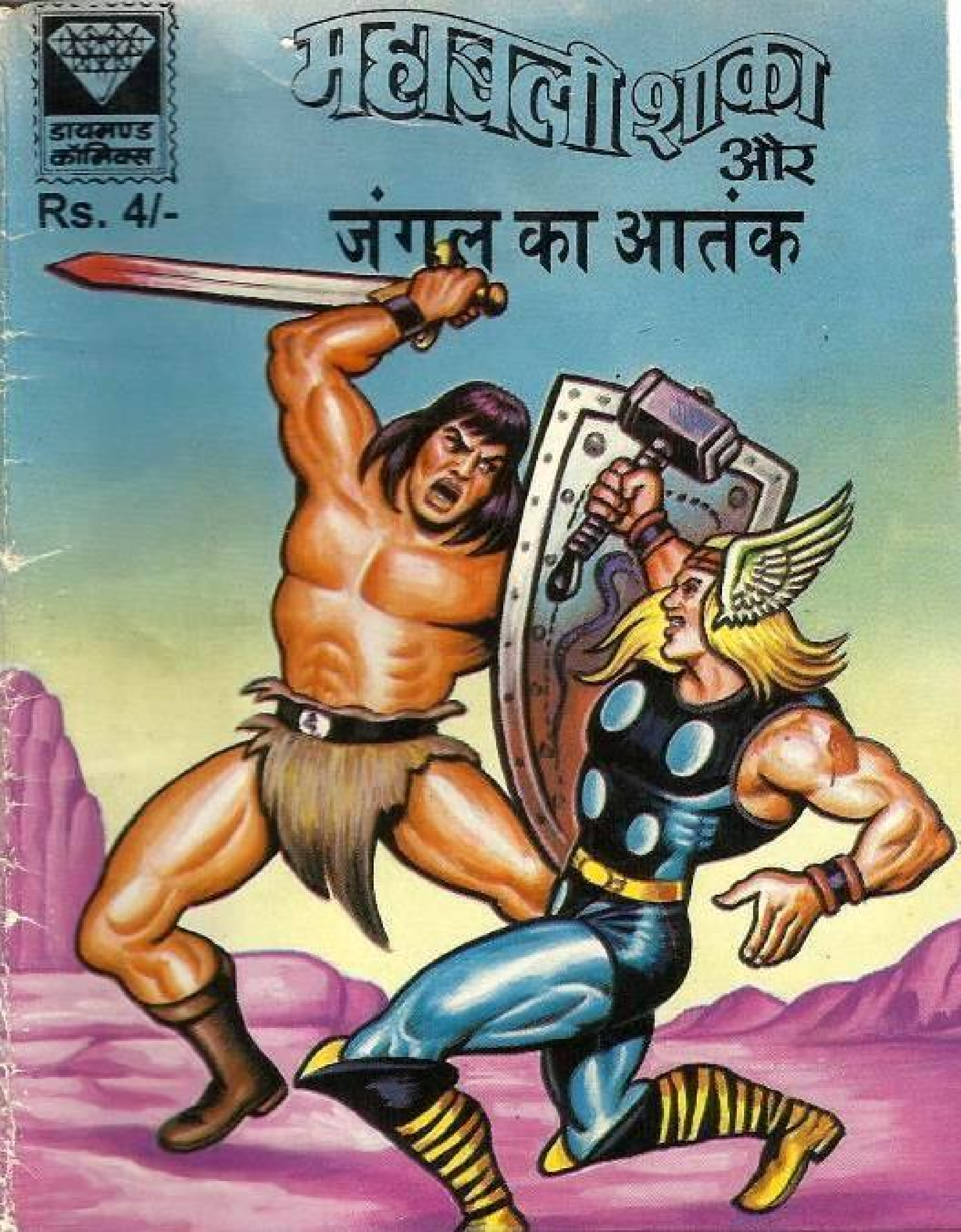
डायमण्ड कॉमिक्स
Rs. 4/-
महाबली शाका
और
जंगल का आतंक

भारत में सर्वाधिक बिकने वाले कॉमिक्स

डायमण्ड कॉमिक्स

नये मिनी कॉमिक्स
प्राण का–पिंकी का तरबूज
चाचा भतीजा और कंकाल कुण्ड
नन्नू मोटू और कराटे किंग
फौलादी सिंह और डबल बम
डायनामाइट–रेड सिगनल
राजन इकबाल और शैतान तिकड़ी
महाबली शाका और जंगल का आतंक
ताऊजी

अंकुर बाल बुक क्लब के सदस्य बनें और बचायें रु. 200/- वार्षिक

अंकुर बाल बुक क्लब घर बैठे डायमण्ड कॉमिक्स पाने का सबसे सरल तरीका है। आप गांव में हैं या ऐसी जगह जहाँ डायमण्ड कॉमिक्स नहीं पहुंच पाते। डाक द्वारा वी.पी.पी. से हर माह डायमण्ड कॉमिक्स के 6 नये कॉमिक्स पायें और मनोरंजन की दुनिया में खो जायें साथ ही ढेरों इनाम पायें।

हर माह छः कॉमिक्स (48/- रु. की) एक साथ मंगवाने पर 4/- रुपये की विशेष छूट व डाक व्यय फ्री (लगभग 7/-) लगातार 12 वी.पी. छुड़ाने पर 13वीं वी.पी. फ्री।

| 1 वर्ष में महीने | बचत (रु.) | कुल बचत (रु.) |
|---|---|---|
| 12 | 4/- (छूट) | 48.00 |
| 12 | 7/- (डाक व्यय) | 84.00 |
| 1 | 48/- (13वीं वी.पी. फ्री) | 48.00 |
| सदस्यता प्रमाण पत्र व अन्य आकर्षक 'उपहार', स्टिकर और 'डायमण्ड पुस्तक समाचार' फ्री | | 20.00 |
| | | 200.00 |

सदस्य बनने के लिए आप केवल संलग्न कूपन को भरकर भेजें और सदस्यता शुल्क के 10 रु. डाक टिकट या मनीआर्डर के रूप में अवश्य भेजें। इस योजना के अन्तर्गत हर माह 20 तारीख को आपको वी.पी. भेजी जायेगी जिसमें छः कॉमिक्स होंगी।

हाँ मैं "अंकुर बाल बुक क्लब" का सदस्य बनना चाहता/चाहती हूं और आपके द्वारा दी गई सुविधाओं को प्राप्त करना चाहता/चाहती हूं। मैंने नियमों को अच्छी तरह पढ़ लिया है। मैं हर माह वी.पी. छुड़ाने का संकल्प करता/करती हूं।
नाम ______
पता ______
______
डाक ______ जिला ______ पिनकोड ______
सदस्यता शुल्क 10 रु. डाक टिकट/मनीआर्डर से भेज रहा/रही हूं।
मेरा जन्म दिन ______
नोट : सदस्यता शुल्क प्राप्त होने पर ही सदस्य बनाया जायेगा।

नई अमर चित्रकथायें (मूल्य प्रत्येक 15/-)
• चाणक्य • विशालकाय बीना • अकलमंद बीरबल • मसखरा गोपाल • जातक कथायें • द्रोण • नारद की कथाएं • द्रौपदी • ध्रुव • सुकन्या

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि. X-30, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020

कृपया किसी तरह इन झटकों पर काबू करने की कोशिश कीजिए! मुझे अपने विशेष सामान की चिन्ता है।
माफ करना प्रोफेसर! विमान झटके खा रहा है। लेकिन हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश करते हुए इस खराब मौसम में भी इसे उड़ा रहे हैं।
यह अपनी तरह का संसार में अकेला है और हम इसे नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते।
प्रोफेसर, तुम क्या ले जा रहे हो? जब तक हमें पता नहीं कि माल क्या है, हम नहीं उड़ेंगे।
तुम जहाज को संभालो, और झटकों को बंद करो, मैं बस इतना ही बता सकता हूं कि हमारा माल बहुत महत्वपूर्ण है।
शर्मा! हमारे यात्री ठीक तो हैं न?
वह प्रोफेसर तो मुझे कुछ सनकी लग रहा है। उसने मुझे यह नहीं बताया कि वह क्या ले जा रहा है, बस झटकों की शिकायत कर रहा है।
तभी पायलट ने एक झटके से प्लेन को कुछ सौ फीट नीचे किया—
इस मौसम में जहाज चलाना स्केटिंग करने की तरह है।
तुम्हें तो खराब मौसम में मजा आता है। मुझे तो साफ-सुथरे मौसम में ही मजा आता है। आशा है हमारे यात्री ठीक होंगे।

प्रोफेसर! देखो तो... बक्सा टूट रहा है, हमने जो इंजेक्शन उसे दिया था उसका असर खत्म हो गया।
जल्दी करो राकेश! मेरा बक्सा लाओ, हम नहीं चाहते कि ये जीव यहां आजाद हो जाये।
प्रोफेसर! सब ठीक तो है न?
हां.. बस एक क्षण की ही देरी खतरनाक हो सकती थी—वह हिल रहा है—मैं मैं...
लेकिन सब कुछ ठीक नहीं था—
ईईईईSSS
ओह, प्रोफेसर संभलो!
पीछे ये शोर कैसा?
मुझे नहीं पता... लेकिन मैं देखता हूं, क्या बात है?

जैसे ही पायलट ने पीछे देखा, उसका दिल बाहर आने को हो गया-
बचाओ... भगवान के लिए मुझे बचाओ।
जैक!
क्या हो गया शर्मा! तुम जहाज को नीचे क्यों उतार रहे हो?
हमें जल्दी से जहाज को नीचे उतारना है जो भी चीज बक्से में थी भड़क उठी है।
ल-लेकिन शर्मा उतरने की कोई जगह नहीं है। नीचे तो घना जंगल है।
मैं कुछ नहीं जानता, हवा में मरने की बजाये बचने की एक कोशिश करना बेहतर है। पीछे जो भी जीव है, इस जहाज को एक झटके में उड़ा देगा।

वह देखो, नीचे की जमीन समतल है-- लेकिन मुझे नहीं लगता, हम आसानी से उतर पायेंगे।
हम कोई खतरा मोल नहीं ले सकते। हमें उतरना ही है। वह चीज हमारे पीछे है, और हम तक पहुंचने ही वाली है।
श-शर्मा कोई फायदा नहीं हम नहीं उतर पायेंगे।
मैं उतार रहा हूं, मैं विमान दुर्घटना में मरना पसंद करूंगा, न कि उस दैत्य के जबड़ों में।
आह ह ऽऽऽ उतर गये।
आह!

जहाज के उतरने के बाद मौत सा सन्नाटा छा गया। तभी जैक उठा—
आ..हा.. हा..! मैं जिन्दा हूँ शर्मा..शर्मा तुम जिन्दा हो?
आह!
आराम से शर्मा! मैं तुम्हें उतारता हूँ। हम बच गये.. हम जिन्दा हैं।

आराम से दोस्त! हम जल्दी ही यहां से निकल जाएंगे।
ज...जैक त...तुम्हारे पीछे।
क...क्या कह रहे हो शर्मा... ओह ssss नहीं ssss
नहीं ssss हमारे साथ ऐसा नहीं हो सकता।

आई SSSS
आह SSS
तूफान गुजरने के दो घण्टे बाद, तबाका कबीले का योद्धा गुन्जाला अपने साथियों के साथ शिकार करने के लिए उस तरफ आया-
अरे, गुन्जाला! देखो तो, जंगल के जानवर कैसे डर कर भाग रहे हैं!
हाँ, बन्डूला! लगता है ये किसी चीज से बुरी तरह डरे हुए हैं। आओ, हम देखते हैं।

बन्डूला, जगोला... तुम उसी तरफ देखो, बाद में हम जंगल के बीचों बीच मिलेंगे।
ह... लेकिन यह जंगल तो मौत का जंगल है। इसमें कई भयानक जीव हो सकते हैं।
बन्डूला घबराओ मत... हम देखते हैं।
उस खतरनाक जगह पर कोई आवाज नहीं थी। ऐसा लगता था जैसे जंगल में कोई पशु-पक्षी शेष नहीं रह गया है।
बड़ी अजीब बात है। न जाने कौन प्राणी है। और यह जमीन पर क्या पड़ा है।
ये तो शहरी अजनबी लोगों की चीजें हैं। वे यहाँ क्या कर रहे थे?
गुन्जाला... आह SSS
ये तो बन्डूला की आवाज है। उसे क्या मिल गया?
गुन्जाला... आह!

वहाँ का दृश्य देख कर गुन्जाला के शरीर में एक ठंडी लहर दौड़ गई।
ब... बन्डूला! जंगोला कहाँ गया! बताओऽऽऽ
ओह हा! जंगोला! न.... नहीं... दोनों मर गए ह... लेकिन कैसे? किसने मारा इन्हें?
अपने पीछे शोर सुन गुन्जाला घूमा—
हे भगवान! न... न.... नहींऽऽऽ
त... तुम मुझे नहीं मार सकते... ये... ये लो!



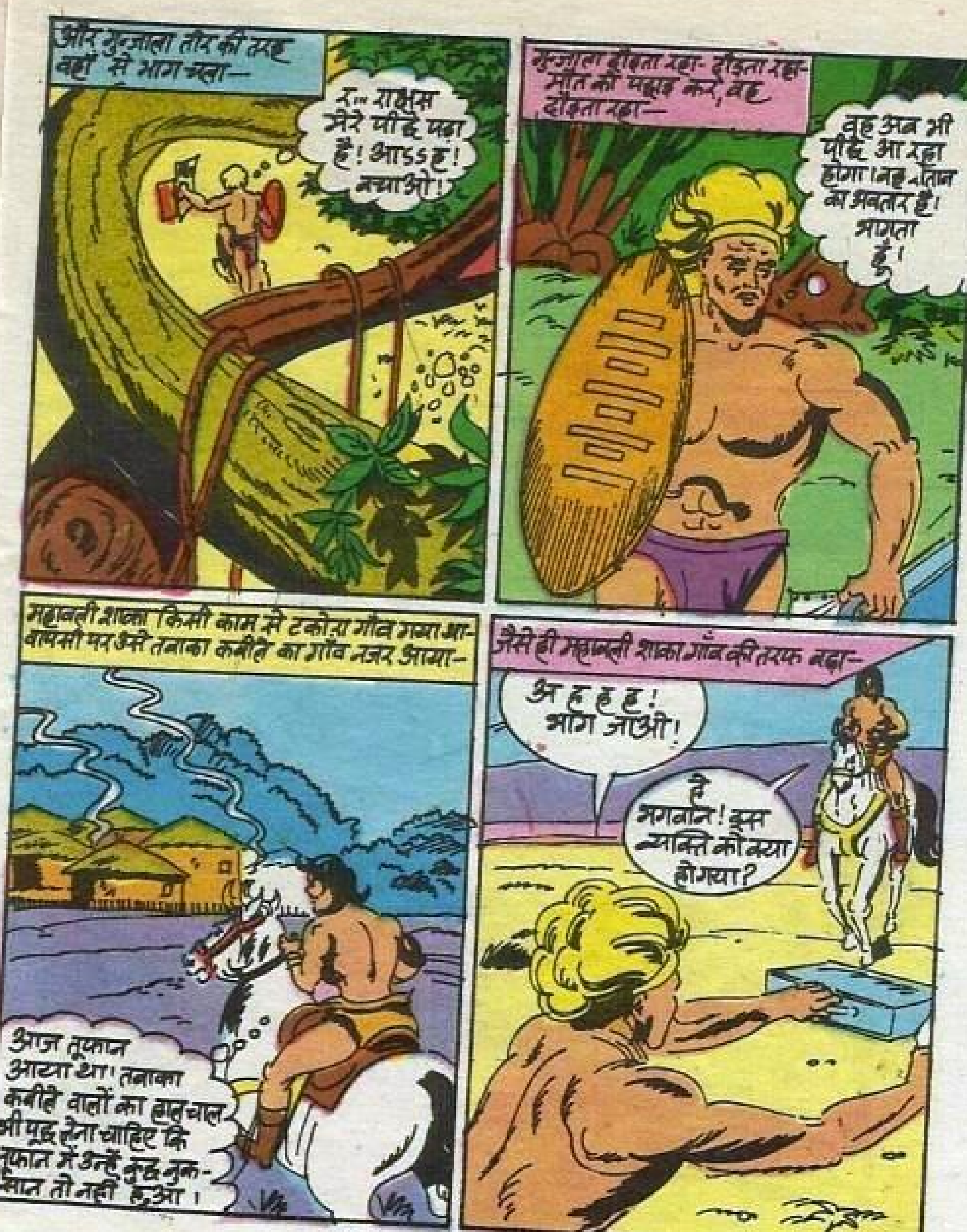
और गुन्जाला तीर की तरह वहाँ से भाग चला—
र... राक्षस मेरे पीछे पड़ा है! आऽऽह! बचाओ!
गुन्जाला दौड़ता रहा- दौड़ता रहा- मौत की परवाह न कर, वह दौड़ता रहा—
वह अब भी पीछे आ रहा होगा। वह शैतान का अवतार है! भागता हूँ!
महाबली शाका किसी काम से टकोरा गाँव गया था- वापसी पर उसे तबाका कबीले का गाँव नजर आया—
आज तूफान आया था। तबाका कबीले वालों का हाल चाल भी पूछ लेना चाहिए कि तूफान में उन्हें कुछ नुकसान तो नहीं हुआ।
जैसे ही महाबली शाका गाँव की तरफ बढ़ा—
अ ह ह ह ह! भाग जाओ!
हे भगवान! इस व्यक्ति को क्या हो गया?

महाबली शाका घोड़े से उतर कर उस व्यक्ति के पास पहुँचा—
न...नहीं! दूर रहो, मुझसे। त...तुम भी शैतान के दोस्त हो- तुम मुझे नहीं पकड़ सकते।
तुम क्या बड़बड़ा रहे हो दोस्त? मुझे बताओ क्या बात है?
सुना नहीं तुमने... दूर रहो, तुम मुझे नहीं पकड़ सकते, जैसे तुमने औरों को पकड़ा- तुम मुझे मौत के जंगल में नहीं ले जा सकते।
तुम्हारे दिमाग पर असर हुआ है दोस्त! मैं तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा। लाओ चाकू मुझे दे दो।
नहीं! मैं तुम्हें मार डालूंगा... तुमने मेरे मित्रों को उस राक्षस के हाथों मरवा डाला, तुम उसके नौकर हो।
इसका तो दिमाग हिल गया लगता है। इस हालत में इसे इस तरह नहीं छोड़ा जा सकता। ये किसी को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

त...तुम मुझे वापिस उस जगह नहीं ले जा सकते, उससे पहले मैं तुम्हें मार डालूंगा।
दुर्घटना से तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है- तुम कुछ नहीं कर सकते और दुर्घटना रोकना मेरा फर्ज है।
माफ करना दोस्त! यह तुम्हारे फायदे के लिए है।
आहह!
तनाका कबीले का सरदार अपने आदमियों के साथ सलाह कर रहा था—
अगर आज गुन्जाहा शिकार में सफल रहा तो हमारी भोजन की समस्या हल हो जाएगी।
अरे सरदार! देखो तो, महाबली शाका आ रहा है।
महाबली! क्या बात हो गई? तुम हमारे सबसे बड़े योद्धा को इस तरह उठा कर क्यों लाए हो?
मुखिया, तुम्हारे इस योद्धा ने मुझ पर चाकू से हमला किया। इसका दिमाग हिल गया लगता है। भला ये शिकार कैसे करता होगा?
इसने अगर ऐसा किया है तो मैं आपसे माफी मांगता हूं। जागने पर ये आपसे माफी मांगेगा।

लेकिन, गुन्जाला जैसे ही होश में आया—
आ हा हा! नहीं! अपने हाथ हटाओ, तुम शैतान मुझे नहीं पकड़ सकते, जैसे तुमने औरों को पकड़ा।
पकड़ो इसे— महाबली ठीक कहता है, इसका दिमाग हिल गया है।
मुझे बड़ी हैरानी हो रही है, महाबली! अच्छा-खासा योद्धा इतनी जल्दी पागल कैसे हो गया?
जब यह मुझे मिला तो इसने इन चीज़ों को कस कर पकड़ा हुआ था— देखो, शायद हमारी समस्या का हल मिल जाए।
महाबली! मैं इन कागजों को पढ़ नहीं सकता, क्या तुम्हें कुछ समझ आता है?
मैंने इन्हें पढ़ा है, सरदार! लेकिन इससे मैं उलझन में पड़ गया हूँ, ऐसा लगता है ये किसी जहाज के कागज़ हैं। जो हमारे जंगल में नहीं पाए जाते।
सुबह हमने उत्तरी दिशा में, जब मौसम खराब था, आकाश में कुछ आवाज़ें सुनी थीं।
शायद यह हमारे सवाल का जवाब हो-सकता है। इन कागज़ों के अनुसार एक जहाज महत्वपूर्ण नक्शा लेकर जा रहा था, लेकिन इसमें यह नहीं लिखा था कि नक्शे में क्या था?

मैं उत्तरी दिशा में जा रहा हूँ! अब तब मेरे प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल जाते, गुन्जाला भी जंगल के आतंक के बारे में कुछ बोल रहा था।
उत्तरी दिशा में मौत का जंगल है, हमारी मान्यता है कि वहां शैतानी शक्तियां रहती हैं, लगता है गुन्जाला की यह हालत उन्हें देखने से हुई है।
ऐसा हो सकता है सरदार! लेकिन मैं शैतानी शक्तियों पर विश्वास नहीं करता। मैं वहाँ जाकर देखता हूँ कि क्या बात है?
गुन्जाला अपने साथ अपने दो मित्र भी ले गया था, उनका भी पता लगाना महाबली!
भगवान तुम्हारी रक्षा करे देवता पुत्र! वह बड़ी खतरनाक जगह है।
महाबली शाका जंगल के आतंक को देखने चल पड़ा—
तनाका कबीले वाले अंधविश्वासों में बहुत विश्वास करते हैं। लेकिन मुझे अब इस जंगल के आतंक को खत्म करना ही पड़ेगा। अंधेरा होने वाला है। इससे पहले ही मुझे वहाँ पहुंचना है। क्या वाकई वहाँ शैतानी शक्तियां होंगी, जिन्हें देख गुन्जाला का यह हाल हो गया-उसके दोनों साथी कहाँ गए!

इस बीच तबाका कबीले में गुन्जाला को होश आ गया था—
सरदार! …ाला के ऊपर से …ना चली
यह अच्छी बात है! आओ, हम अपने देवता से प्रार्थना करें कि वह महाबली शाका की रक्षा करे।
हमें बताओ सरदार! हमें अब क्या करना है?
हमें अपने देवता से प्रार्थना करनी चाहिए कि वह महाबली को उस सामान का रहस्य बताए जो वह साथ ले गया... और हमारे दोनों आदमियों को भी ढूंढ लाए।
ओह! तो वह शैतान का साथी मेरा सामान भी ले गया! मैं उसे नहीं छोड़ूंगा। वह मेरा सामान नहीं ले जा सकता।

गुन्जाला के घूमते दिमाग से, सारा डर भाग गया—जब उसे लगा कि उसे ठगा गया है, वह उठ कर भागा—
क्या हमें महाबली के पीछे अपने आदमियों को नहीं भेजना चाहिए?
हमारा कोई भी आदमी वहां नहीं जाना चाहेगा। हम तो बस अपने देवता से प्रार्थना कर सकते हैं!
हुम्म.... मुझे इसकी परवाह नहीं कि वह कहां गया है। मुझे तो बस अपना सामान वापिस चाहिए, मैं उसे ढूंढ लूंगा।
महाबली शाका मौत के जंगल में प्रवेश कर चुका था—
आश्चर्य की बात नहीं कि जंगल वाले इस जंगल में आने से घबराते हैं। ऐसा लगता है जैसे जगह-जगह शैतान छिपे हैं।

महाबली उस जगह जाकर रुक गया - जहाँ उसे कुछ पेड़ पौधे कुचले हुए नजर आए -
वहाँ कुछ है। ऐसा लगता है मैं सही राह पर जा रहा हूँ।
अरे! ये तो कोई जहाज है। और ऐसा लगता है यह आज ही क्रैश हुआ है।

लगता है यहाँ मौत और जिन्दगी के बीच संघर्ष हुआ है। लेकिन कोई लाश नजर नहीं आ रही-- लेकिन उस बक्से के पास मानव अस्थि पंजर पड़े हैं।
गुन्जाला गलत नहीं था... अवश्य ही कोई भयानक जानवर रहा होगा। इस बक्से में उसे ले जाया जा रहा था। लेकिन इन कागजों में कहीं नहीं लिखा कि वह जीव किस तरह का था।

जो भी चीज रही होगी, वह काफी भारी थी। इन भारी कदमों के निशानों से यही लगता है कि अवश्य ही वह राक्षसी रही होगी।

ओह गुफा! लेकिन कोई आवाज नहीं! हो सकता है वह जीव शिकार पर गया हो- अन्दर देखूं शायद कोई सुराग मिले।

यह जगह बड़ी भयानक लग रही है। लगता है, राक्षस यहाँ नहीं है। लेकिन अंदर चल कर देखूं शायद कुछ मिले।

हे भगवान! अब पता लगा जहाज़ के पायलट और यात्रियों के साथ क्या हुआ? इसका मतलब उस राक्षस को इंसानी गोश्त खाने का शौक है। मुझे सावधान रहना होगा।

तभी उस जीव की हुंकार भरी आवाज गुफा में भर गई —
हे भगवान! रक्षा करना, लगता है वह दैत्य वापिस आ गया। मैं फंस गया यहां!

महाबली अंधेरे में एक ऊंची चट्टान पर खड़ा अपने धड़कते दिल को काबू में करने की कोशिश कर रहा था —
मुझे कोई आवाज नहीं करनी चाहिए। वरना मैं उन बदनसीब लोगों की तरह इसका निवाला बन जाऊंगा। न जाने कैसा जीव है ये?

हे देवता! ये तो विशालकाय डायनोसौर है, मैंने आज तक नहीं देखा... और लगता है वह हवा में मेरी गंध ले रहा है।

उस जहाज में अपनी प्रजाति का यह अकेला डायनोसौर ले जाया जा रहा था। जो जहाज के दुर्घटना ग्रस्त होने पर जंगल का आतंक बन गया था।
व... वह मेरे नजदीक आता जा रहा है। अब तो एक तरीका रह गया है बचने का... मुझे लड़ना होगा इससे।

अचानक डायनोसौर घूमा—
मुझे पता है शैतान, तुम अंदर ही। मेरा सामान वापिस करो।
ओह... नहीं! ये तो गुन्जाला की आवाज है।
अपने पगलाए दिमाग के कारण गुन्जाला मौत के खतरे को भी नहीं पहचान पा रहा था—
श... शैतान! मेरा सामान वापिस कर दे।
तभी उसके दिमाग में छाया कोहरा हट गया और उसे झटका-सा लगा—
च... चेहरा... इसी तरह के राक्षस ने तो मेरे मित्रों को मार डाला था। य... ये मुझे भी मार डालेगा। मैं क्या करूं?
उसी क्षण शैतान डायनोसौर दर्द में चिंघाड़ उठा—
गुन्जाला! इधर भागो जल्दी।
ये कौन बोला?

ये मैं हूं गुन्जाला... महाबली शाका! जल्दी से यहां से दूर हटो... इससे पहले कि...
ओफ!
लेकिन डायनोसौर अपने पर किये गये प्रहार का बदला लेने के लिए तैयार था। उसने अपनी पूंछ उठायी—
म-महाबली! तुमने मेरी जान बचाई। अब मैं ठीक सोच सकता हूं।
ठीक है! लेकिन तुम दोबारा नहीं सोच पाओगे। अगर यह पूंछ हमें आ लगी- जल्दी झुको।

दोनों ने लुढ़कनी खाई - शाका तो बच गया— लेकिन गुन्जाला खुशकिस्मत न रहा...उसे पत्थर आ लगा—
आऽऽह!
ओह ह! बच गये गुन्जाला!
गुन्जाला बेहोश हो गया, शैतान उसका खून पीने को तैयार है। उसे कैसे रोका जाए? क्या करूं?

गुन्जाला ज्यादा देर तक बेहोश नहीं रहा— तेज दर्द ने उसे होश में ला दिया—
आऽऽह! महाबली मुझे बचाओ... मैं मरना नहीं चाहता!
मैं तुम्हें मरने नहीं दूंगा, गुन्जाला!
इसकी आँख पर प्रहार करूं! शैतान! ये तेरी एक आँख गई!
आऽऽह!

महाबली के इस बहादुरी भरे कारनामे से गुन्जाला इसके जबड़ों से मुक्त हो गया। लेकिन शैतान को शाका पर बहुत क्रोध आया—
आह!
ये पत्थर... अगर इन्हें ज़रा सा भी धक्का लगे तो सारे नीचे आ पड़ेंगे। किसी तरह इस राक्षस से इन्हें ठोकर लगवाई जाये।
महाबली! सावधान! लगता है ये तुम्हें छोड़ेगा नहीं।

इस तरफ भागूं। अब यह घूमेगा और... मेरा काम बन जाएगा।
डायनोसौर के पूरी शक्ति से भागने से उसका शरीर पत्थरों से टकरा गया और पूरी गुफा भरभरा उठी—
मेरी तरकीब कामयाब रही। सारे पत्थर उस पर गिर रहे हैं।

पहले तो एक भयानक गर्जना गुंजती रही। उसके बाद वहाँ शांति छा गई। महाबली शाका व गुन्जाला की जान में जान आई।
महाबली तुमने उसे मार डाला। बड़ा खतरनाक जीव था।
मुझे दुख है कि यह मारा गया। लेकिन अगर यह जिन्दा रहता तो जंगल का आतंक बना रहता।
मैं तुम्हें कैसे धन्यवाद दूं महाबली! तुमने मेरी जान बचा ली। मैंने तुम्हारे साथ इतना बुरा व्यवहार किया।
इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। उस समय तुम अपने होशो हवास में नहीं थे। उस दैत्य रूपी डायनोसौर को देख-कर तुम पगला गये थे। उसे यहाँ लाने वालों ने ज्यादा बड़ी कीमत चुकाई है। अब तुमलोग इस जंगल में आ जा सकते हो। अब कोई दैत्य नहीं है यहाँ।

तभी उन्हें अपने पीछे अजीब सी आवाज सुनाई दी—
महाबली! यह आवाज सुनी.. बताओ तो ये कैसी आवाज है?
काश! मुझे पता होता ये कैसी आवाज है?
इसके बाद शाका अपने घोड़े पर सवार होकर गुफा में जाने के लिए तैयार हो गया—
अच्छा महाबली विदा! तुम तो कहते थे कि वह जीव मारा गया? फिर यह आवाज कैसी?
कुछ रहस्य हमेशा रहस्य रहते हैं। उस जंगल को वैसा ही रहने दो। उसका नाम मौत का जंगल ही सही है।

McCann/PER/263/97

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw